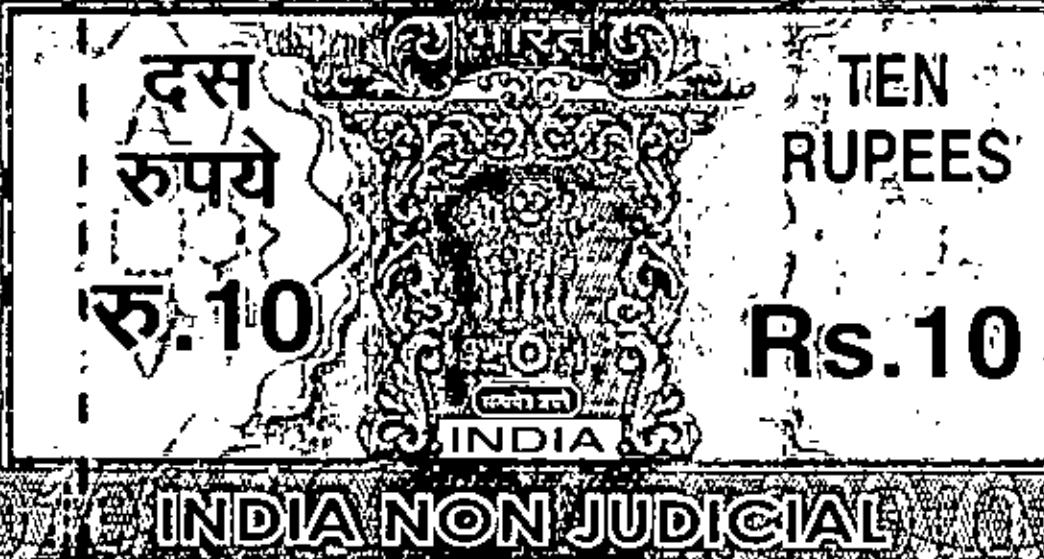


(12)

सारलीय ग्रे न्यायिक



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

65AA 014411

पट्टूलाल 106 - नाम संख्या 521 - तिथि 2009 मई दोलन-१८/।

पट्टूलाल-सुना-एस. ॥४॥

## न्यायालय तहसीलदार सदर कानपुर नगर

दाद १० १७८/०८-०९

महादीर संख्या० ३०३०३०

पत्राम

भीमती तुशीता देवी

पारा-३५/३५ एल०आर०१ एक्ट

बैजा-वैरी अकबरपुर फृष्टा कानपुर नगर।

### निर्णय

प्रस्तुत आमान्तरण वाद प्रार्थी छारा धंजीकृत दैनाना के आधार पर प्रत्युत करते हुए दिक्षित भूमि पर राजस्व अधिकारी में उपना नाम अंकित किए जाने की प्रार्थना की है।

नियमानुसार हस्तहार जारी किए गए जो वाद तात्पौती शब्दिल प्राप्त है। किंतु और से कोई आपत्ति दाखिल नहीं हुई। दादी छारा सारप में मूस दैनाना, नफ्स उत्तरण छातीनी व शपथपत्र, दाखिल किए गए। मैट्रिक राजस्व में शेश्रीय सेवागत ने दादान करते हुये कदम किया है कि दिक्षित भूमि पर केता वा ही कछा द बदल है। विक्रेता अनुसूचित आति का सदर्य नहीं है। विक्रेता भूमि के ०३१०५० आदि की नहीं है।

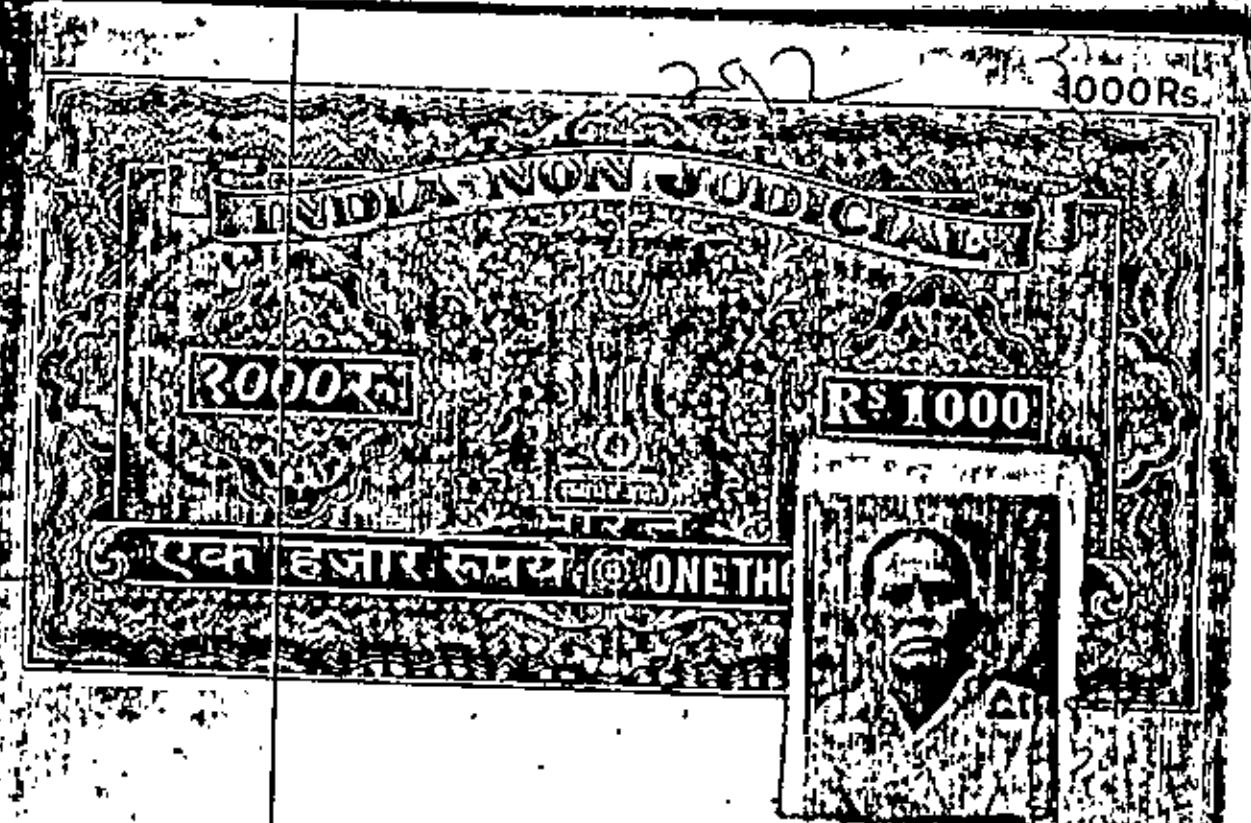
मैंने प्राप्त ही का सम्यक अवलोकन किया तथा उपलब्ध सार्य को पढ़ा। प्राप्ति पर दाखिल धंजीकृत दैनाना से आरजी नियाई का प्रार्थी के हक गे। विक्रप किया जाना एवं दिक्षित भूमि पर केता वा ही कछा द बदल रिहा है। आतंद्र दादी पर आमान्तरण प्रार्थना पर नीकार किया जाता है।

### आदेश

अतः आदेश हुआ कि प्राप्त वैरी अकबरपुर फृष्टा की द्वाता छातीनी १४१० ५० लगावत १४१४ एवं लातानी २६३ अंकित १०४४/०.३२८५० व १०९०/०.०५१५० कुल २ फिला कुल रकमा ०.३७९५० के जुग रकमा ०.०९५५० लातानुदारी ६००ग्र पर विक्रेता भीमती तुशीता देवी परी श्री प्रेमशंकर नियारिनी न०ग्र० ४८/३३ साढ़ी मोलाल कनपुर नगर का नौम्-पृथक फरके धंजीकृत दैनाना दि० ०७-१२-०१ के आधार पर केता महादीर सहकरी आयास सनिहि लि० कानपुर नगर दादा संघिय १०५० और उत्र २०५० और नियासी ७३ आर०ए०१०५१२ काकडिय कनपुर नगर का नाम वार्ता सहकरी समियर दर्ज काम्यात किया जाए। वाद अपत दगमर दग्ध्यती दाखिल दफ्तर की जावे।

दिनांक :- १८/११/८

  
तहसीलदार (सदर)  
कानपुर नगर



॥ शिष्यसंघ ॥

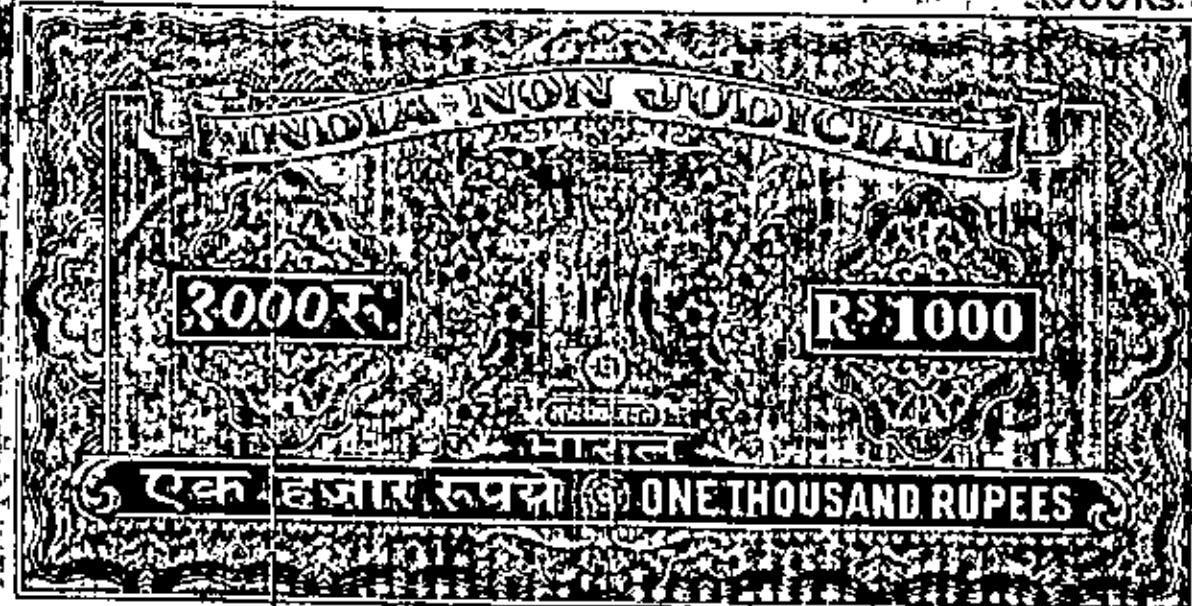
मन की अधिका उत्तीर्ण देख नालग पत्ती जी मैसर्फर  
निकाली एकान नम्बर ४८३३ लाठी गांडा शहर  
कानपुर का था।

प्रियत दो दि मन वृक्षो आ राज्य सूचिया  
मन्त्री १०४४ ऐवा ०, ३२८ ४० व १०६० रुपा ०, ०५१ ४०  
५० दो १५८ रुपा ०, ३७६ ४० दानी १११२ स्थित  
पर्यावरी कानपुर गाँ। परगना बलाली विहार कानपुर

सुशीला देवी

सुशीला देवी

*[Handwritten signatures]*



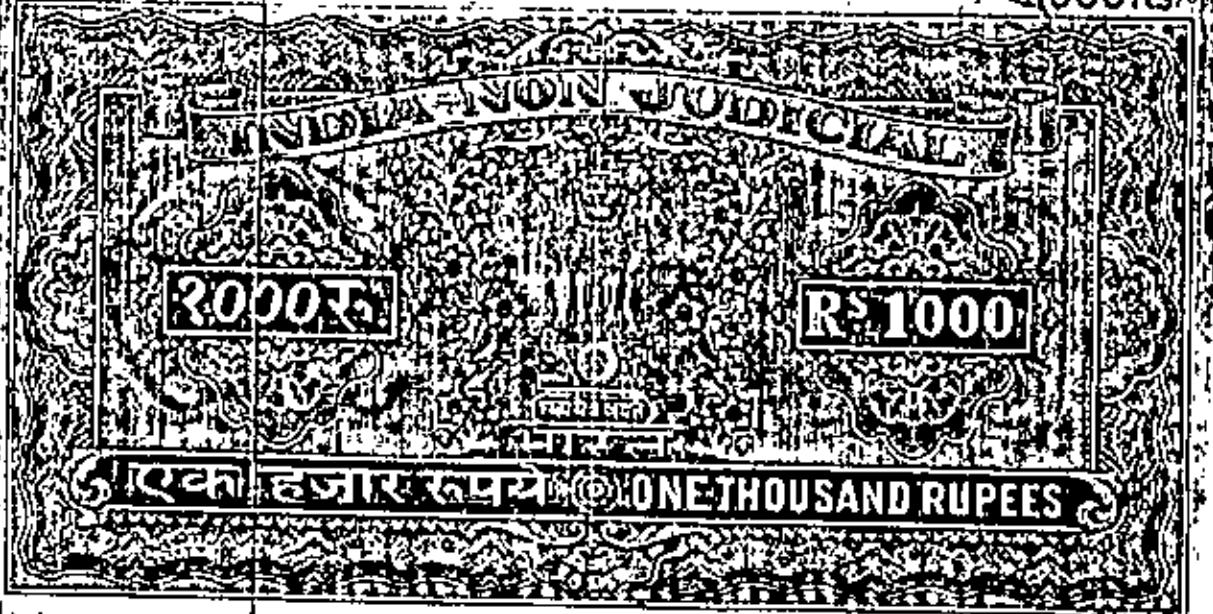
(2)

नगर में ११४ पाँच की बैंकों द्वारा लिखा गया इसी  
कारण अधिकारीय ग्राम्यों का अवलोकन होता है। जिन  
मुकियों के लित्ते में लॉन्च की जाए जाती है। इन क्षेत्रों में जिन  
मुकियों का नाम जाना जाता है, उनका नाम सुखारा  
पूरावस्थ व मिलेन्हों का नाम जाना जाता है। जिन मुकियों  
की विवरण जाना जाता है, जिनकी विवरण निश्चिह्नित बाब्त दिन  
जैसे इनकी विवरण जैसे विवरण जैसे विवरण जैसे  
जैसे इनकी विवरण जैसे विवरण जैसे विवरण जैसे  
जैसे विवरण जैसे विवरण जैसे विवरण जैसे

सुशीला टेली

सुशीला टेली

SC

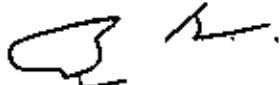


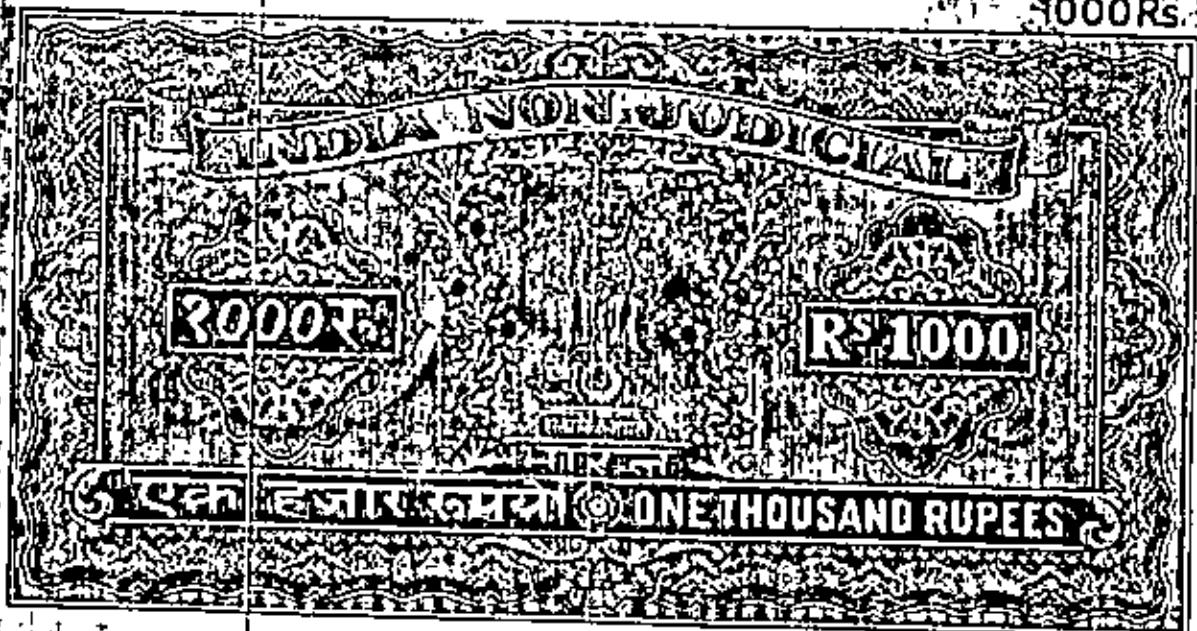
(3)

नीलाम नहीं है। लेकिन दुर्भाग को फिरो न्यायालय  
या प्रांतीय विधान सभा के चारों तरफ दिन तक उसे जापना चाहिए।  
को प्रधानमंत्री नहीं राष्ट्रपति है। उपर  
जापना चाहिए न्यायालय या प्रांतीय विधान सभा के द्वारा  
वाचाइन के अधायर नहीं कोणदो है तो उसे उसे मिल  
पुकिरा को न्यायालय + उसे अध्यक्षी कोड़े नोटिस ही प्राप्त  
होते हैं तथा मिल पुकिरा को उपर जापना बैक उन आदि  
में अन्यक नहीं है लेकिन जो उसके द्वारा देखा या लेते हैं उसके  
को लेते हैं। याकि ये जापना उपराजित वाज दिन तक  
एक समय साकृ य राष्ट्र है लेकिन मिल पुकिरा को उसके

सुनील देवी

सुनीला देवी





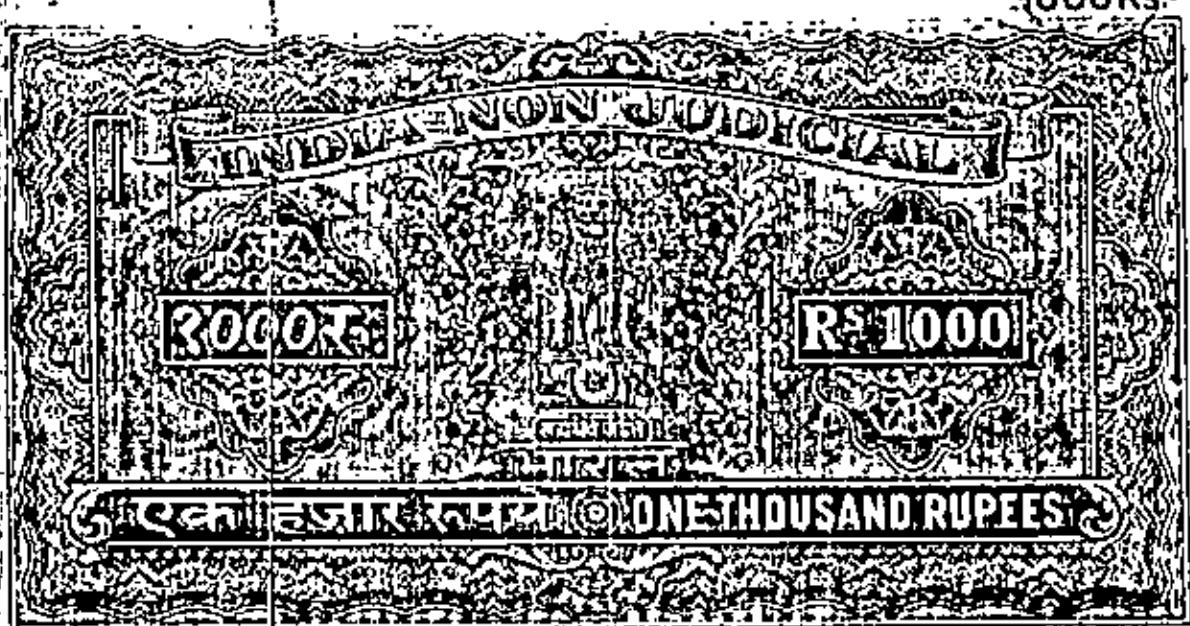
(v)

गायकाद विधरण निम्नलिखित को बताएं वसापारा  
विधरण कोने प्राथमिक गमन संचालन मालिका ता जित  
है। ऐसी गमन पुस्ति की वाली वर्ष लासपी व अन्य  
वापर याताना का पूर्ण हृष्ट उपयोग कीजिए आपरस्ता  
दरकारी है। जो एक बिना देवे हूँ तो तो तो तो तो तो  
विधरण हरव चौ विन पुकिरा की वसारत एका जर्दी  
है वास्तो है। लिहाजा विन पुकिरा ने उक्त वा तो विधरण  
विधरण निम्नलिखित कर्वेना उचित गमन के देशे को  
वायत अपर उपर वास्तवीक वी तो उक्त वा तो विधरण को  
एह पा किए, जो विद वस्तवीक लिहाजी इसहरा दीजावा वानडवाम तो

सुशीला टेली

हुरीला टेली

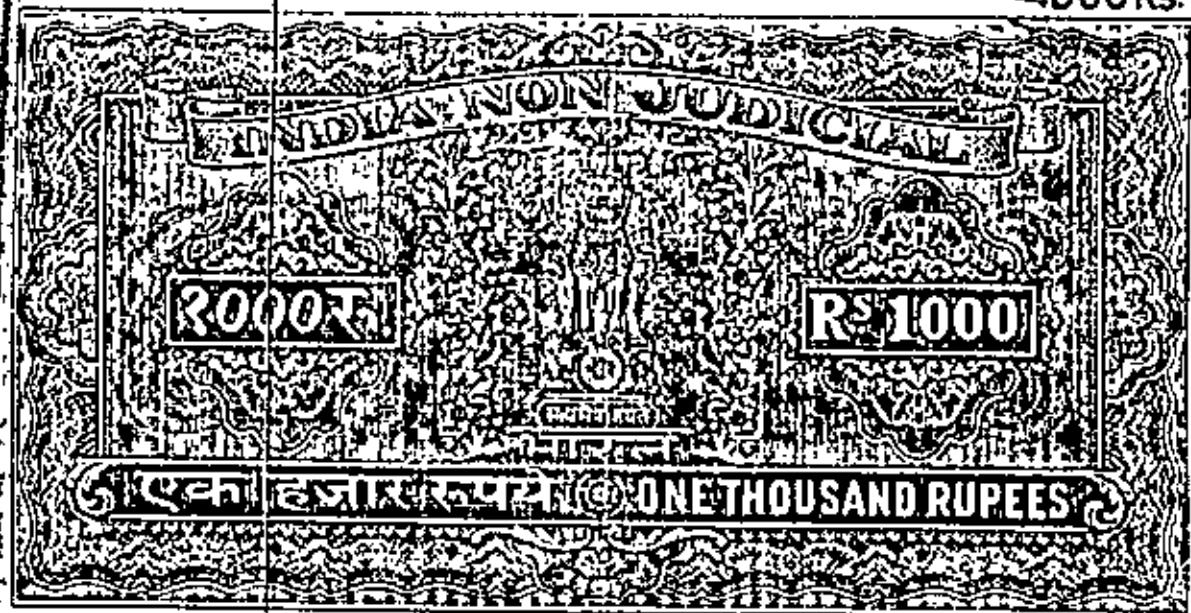
S 1



{4}

ਏਕ ਦੀ ਗੈ ਪਚਾਂ ਸਾਂਸਥਾ ਵੰ ਮਿਨ ਹੁਕਿਰ ਕਾ ੧੫ ਸਾਂਗ  
ਪਿਖਣੇ ਬਿਨੈਛਿਲਿਸ਼ ਦੀ ਹਾਲਿਕ ਕਲੋਪ ਦੀਥਾ ਏ. ਜਾਹਨਦ  
ਈ, ਕੋਈ ਤਿਆਂ ਦੁਨਾਲਿਸ ਦੀ ਕਾਰਨੇ ਹੈ, ਅਥਾਂ ਪਿਨ  
ਹੁਕਿਰ ਗੈ ਪੱਤ੍ਰੇਂ ਤਲਾਂ ਉੱਤੇ ਹਥਾਂ ਕੀਤੇ ਵੰ ਤਥਾ  
ਕਾ ਕੰਢਾਂ ਕਲੋਂ ਪੱਤ੍ਰੇਂ ਪੱਤ੍ਰੇਂ ਹੈ। ਰਸਾਂ ਤਾਂ ਪਿਨ  
ਵੰ ਤੁਲ ਕੁਝ ਆ ਗ ਕਿਧਾਰ ਕਾ ਨਿਸ਼ਕਾਸ਼ ਪਛਾਈ ਹੈ ਸੁਭ-  
ਕਾਡੋਂ ਕਾ ੧੫ ਲਿਖਮਾਂ ਪਰੋਤੇ ਦੀ ਤ੍ਰਯ ਕਾ ਲਿਖਾ ਹੈ। ੧੭ਵਾਂ

सुरीला देवी  
कृष्णला देवी



(६)

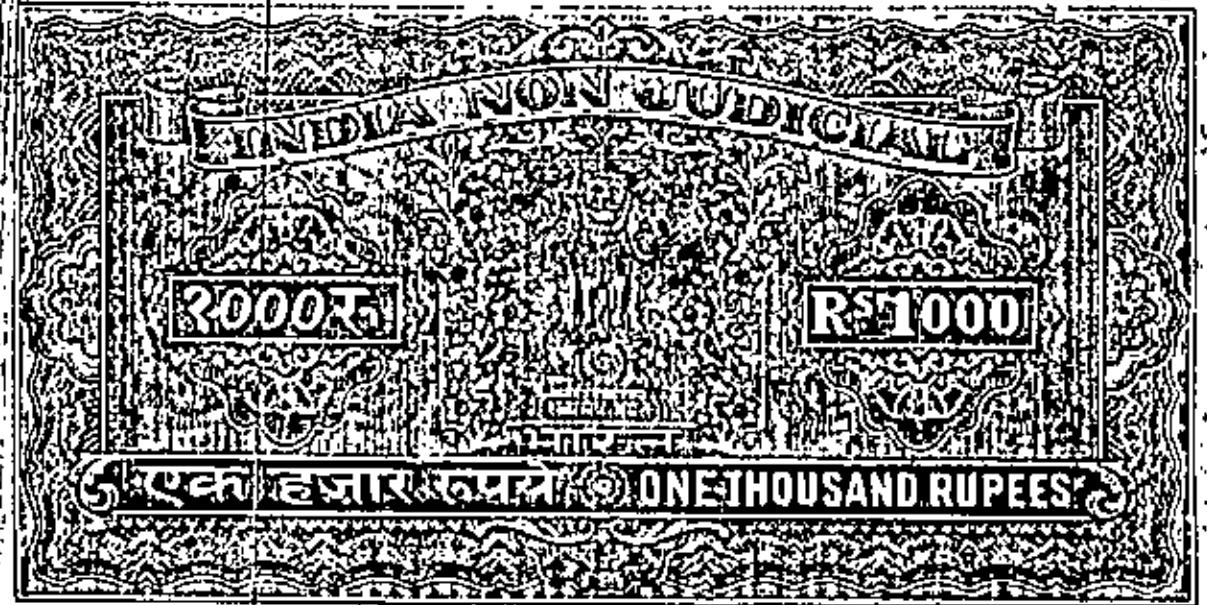
बहालत गैरिक रात्रि प लेवाल लखण बड़ुरा सरी कोरे।  
दियामानी भाला जाप नाजाल्य के गय छुलो एक घटनूक  
दा असही यमा रवी छाउ प जाफदा यिना इंहे दुष  
किसी चीज के गय दुष पा छिलाना व इन्हेशही सहित  
विल मवय दुबडिं ४६,२५०।- दिया अिंद द्वारा दो गी  
पशाय रुपया जिक्के बादे दुबडिं २३,८२५।- तैर्य-  
द्वारा एक गी पर्वीन रुपया रिक्का छिन्द राजा र दुनिया  
के दोने दो बहरें पशादीर गलो दो लाखात रमिति १५०  
दुर्द फायर्ट्री फ्लट्ट फ्लैट वाइरोड, राष्ट्र लानपुर बाड़ी  
गोखरा दो ०८ को भे दी १८८ दुर्द दो ले० के रियालो

सुरुचीला देखी

सुरुचीला देखी

*G - S*

1000Rs.

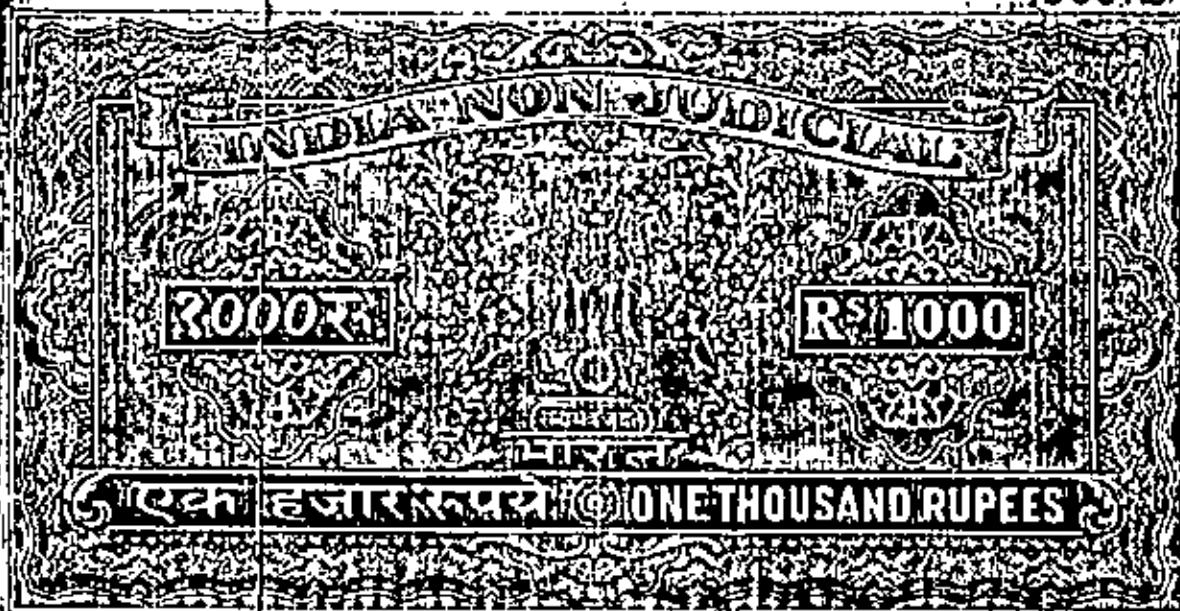


(६)

पकान वस्त्र ७३ ला १०० पुराम कोकादेव रहर कानपुर  
मेर बद कर्तव्य का दिया यानी वे छाता हुए कीपत मिन  
पुकिरा ने उपर तरीदा। तभिरि से निष्ठ तकातीह के  
लुप्त। नम्बद यहुँ पा लिया है। निस्ता दा गमन बद सक  
पी पेहा पानी जिस्त तरीदा। उपरित के होना नहीं रह  
गया है। मिन पुकिरा ने लाल की लाटीस ने शाफ्ताद पुर्वेया  
छाता है जपना कर्तव्य पदमह पा लिकाना। य थाकर कर्तव्यके  
उपर एक का मिले रपने कर्तव्य बदलूँ पा लिकाना य याकठे  
शाफ्ताद पुर्वेया एवं परारादा। यकिति हा करा दिया।  
तथा पारिक, काप्तान करा दिया, तरीदा। यकिति लाल  
की लाटीस ने नोपदाद पुर्वेया घाजा की भक पाद्र पा १८५,

सुशीला देवी  
सुशीला देवी

S



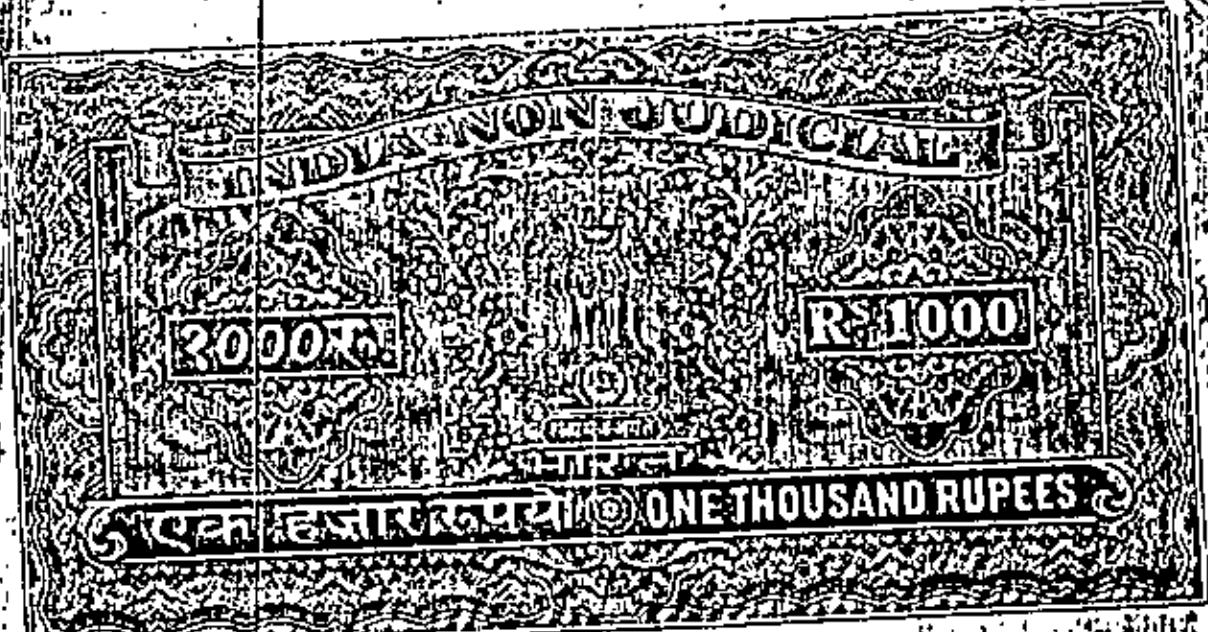
(=)

कापिल यदवील हो गया तथा उने कुछ वापिस भालि-  
काना शायद दुष्येदा राजा की निकत छापिल हो गये।  
उस गरिमा है कि उनीं ने भारतीय रुपया 10 वर्ष बाटों  
गुरुशया राजा पर पालिये, कापिल यदवील रुपये बिल  
प्रकार से दाढ़े ल्यने लमाड़ य प्रयोग में रहावे। इसी  
पुकिरा य धारियान मुदिगा हो कर्ह उत्तर य शतराब्दि न  
होगा। अग्रिमा कापिली जो भारतीय के बह अपना नाम  
कागवाल नाला 11 वर्ष खाना 1940 वर्ष कर्ह रहा थे, तथा  
इस नाम उन्ह 22 वर्ष लगाव रहा देवे। जिसकी जापन्दी  
एस अन्यनामा राजा द्वारा भास्करी जायेगी। किरणी पी याद-

कुर्तीला देवी  
सुशीला देवी

S. L.

1000Rs.



(E)

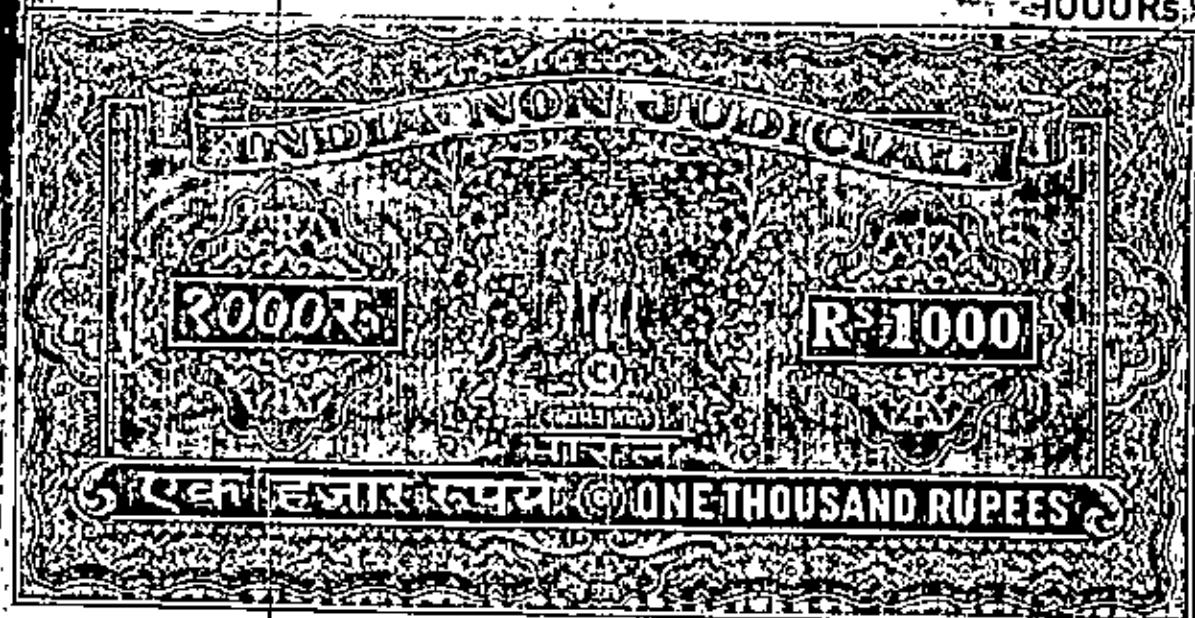
मर्दी बहारात पर्याप्त रुपीया लकड़ी के शुद्धानंदी  
ज्ञानसंदर्भ देवन के पास संकेत दिलें। जिन रुपीयों के जाप  
द्वादश गुणवत्ता लाला के दृष्टि ८५ हे पांच व छाक वर्गी  
का घटान य एकाधिकार "राजा र उपरिति के कर दिया  
है। किंतु मात्र यदि रुपीया के कोहरा या अक्षिकैल या त्रुष्णि  
अप्राप्यता वा इस की विद्युत ने जापदाद गुणवत्ता लाला का  
कूल या तुल भाग इच्छा वदगति परीक्षा उपरिति के लकड़े से  
निरापेय या नरादार उपरिति को जापदाद गुणवत्ता लाला  
की निस्वत्त जाव दिन तक की धारण तुल से उदा या युक्त  
करना पर्याप्त रुपीया लाला जापीकारी रुपीया या नरादार

रुपीया देखी-

सुशीला देखी-

S

11-11-1948

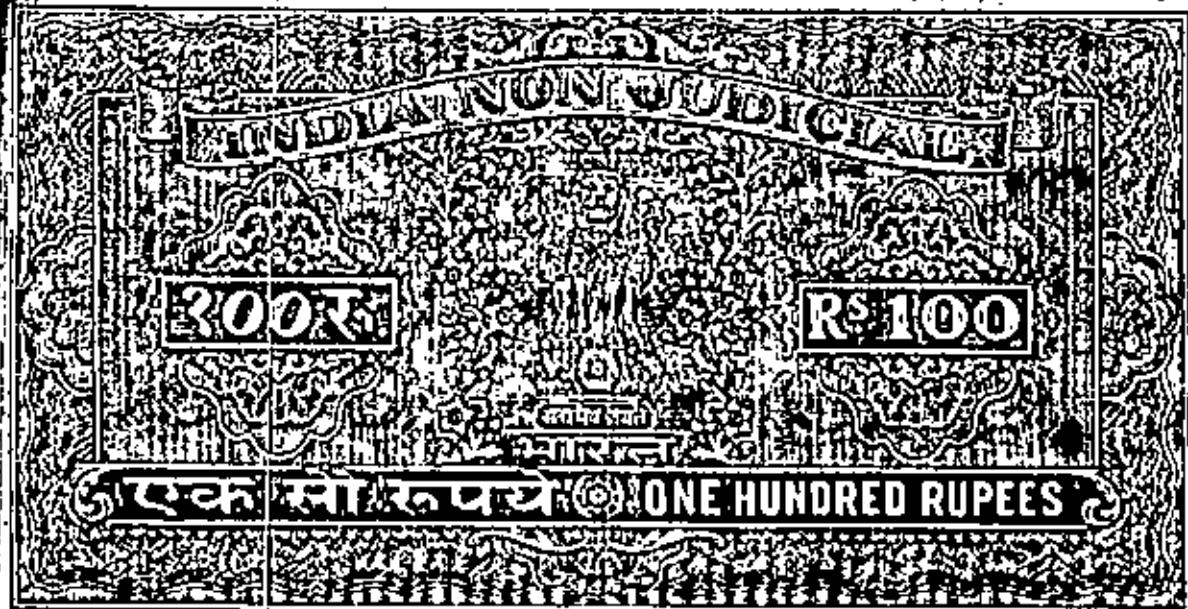


(१०)

मुकिया य कामा मुकामन यारियान् मुकिया की होगी।  
जोर न लिए। चर्चित की जाको (होगा) कि यह तप्ता  
३० जर अब पर्याय वाचा वाचा के मुकिया की देगा बात  
गाय जापाक मनूहा य गै। मनूहा ऐ बिग प्रकार दे जाए।  
इस दाय नकद बूझ पा हेहे। इस्वर्व मुकिया य यारियान  
मुकिया को कोई डुर्व व शक्तात्मन होगा। मुक्ता सराय  
दस्तावेज यागो की पार्कडी मुकिया व यारियान मुकिया  
य काया मुक्तान यारियान छाक्ता ११ लाख व याचिक  
होगी।

मुखीला देली  
मुखीला देली

S - 1



(८८)

ग्राम्य भुजासां जीव उपाधिका निर्विदा  
नामायम के स्वरूप में ग्रामीण वित्तीयों की स्वत्त्व  
करो वे यह एक अम्बद एक विकासी वित्तीय लकड़ी के  
दिया ताकि अम्बद रुप और अम्बद पर काम लावे।

विवाह वायदाद मुख्या ॥

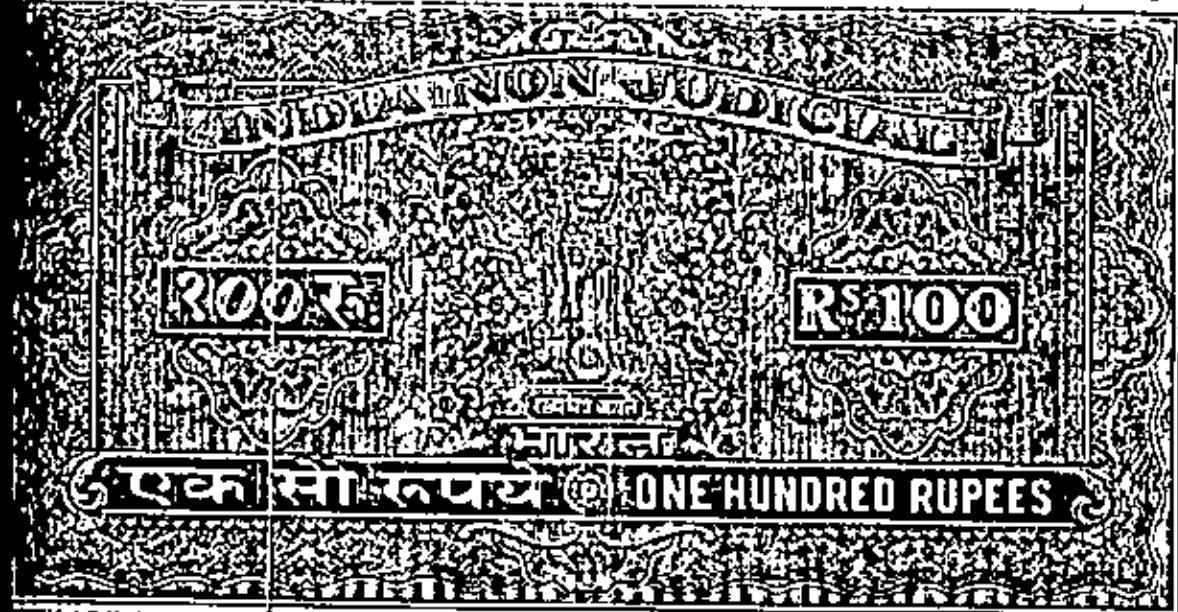
ग्राम्यान्तर्मिदी नवमि १०४४ ई. इ. १५  
प्रधानिग रक्षा ०, ३२८ व० रुप्य वस्त्रव तंत्र दो बाठ  
४० प्रधानां प्रान्तर्मिदी नवमि १०५० ई. इ. १५  
रक्षा ०, ६५८ व० रुप्य वस्त्रव तुम्ह पांच एक ५० रुप्य

सुशीला देवी

सुशीला देवी

S A

100Rs.



(१४)

दो बिला दुस रुपया ०.३७६ द० यानी १६५० (1112) ।  
 एक बीमा उत्तराख दिखा नियम प्रावा देरि कल्पुर कहा ।  
 प्रावा य उत्तराख बाज़ा काल्पुर नगा का ११४ मंड<sup>०</sup>  
 टा चा । मार्ग छिल्य किया गया है। शुभि बेचने की  
 बाज़ा अपने मार्गी कार्यालय ( दीपाव लहाम प्राविकारी  
 पहाड़य नगा भूमि जीमा रूपण ) कल्पुर ने कमाइये  
 पत्र किया ६००।६१४ ग्रूमे ज्य ६५ प्राप्त कर ली है।  
 स्टाम्प अद्युटी जाकरी निर्दिशनुगा ( जारी २८  
 ३,००,०००। - रुपया प्रति रुपये के लिया जी ५०,५००।-

शुश्री ला देवी-  
 शुश्री ला देवी

*S*

20 Rs



(१३)

नापथा पर मुखलिंग १०,२२५। - नापथा की गदा कीमति  
है। इस देरा कोई उपयोग कर्त्तव्य नहीं होता। पूकिरा अनुचित  
जो कि एवं अनुचित जगति को लड़ते हैं। जोन नापथ २  
दलाल कलान्तुर है।

नौहट्टी-

पूर्व- शामली नगर १०६८

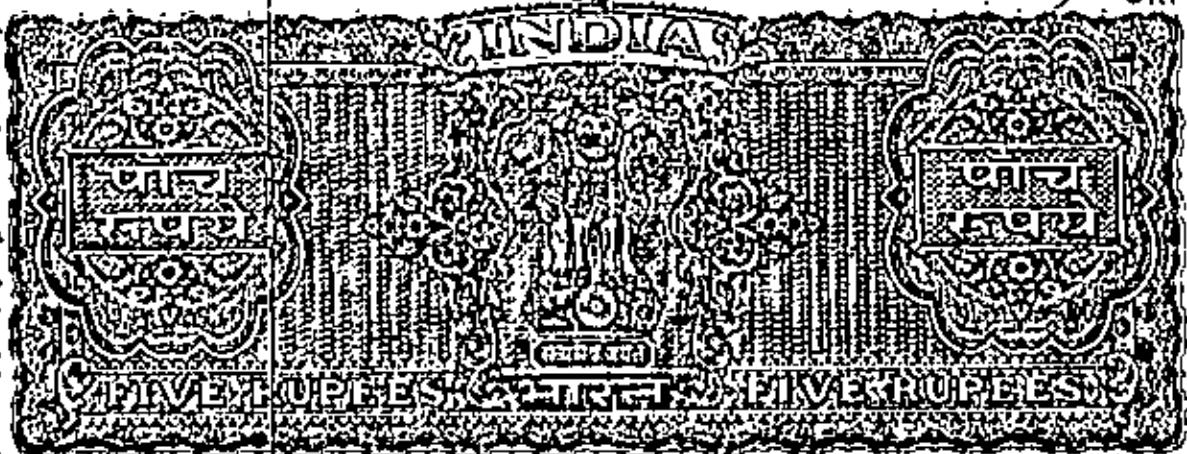
पश्चिम- शामली नगर १०६८

पश्चिम- दीनगंगा शामली,

दक्षिण- शामली मिहिली शरीदार फसेति

वास दीन बुद्धाको जी जागे मुखान्ध ४५,२७६। - विभाग। २  
उभार दी जो नजारा नापथा।

सुरेती ल/टी  
सुरेती ल/टी



(१४)

मुद्रित ४६,२५०। - हाया उस द्वारा दो या पचास रुपया

दबते शीर्षार मा अविहा) पहेंद्य कानपुर के पुकिराने

उपर्युक्त गाँधार लमिले नम्द वृल पा लिया है निष्ठा

प्रम अब ए गरि देखा पाता जिसे गाँधार के देश नहीं रहा।

सद्गुरु तारी- २४-११-१८८५ ई०

मुद्रिला देवी

गवाह- ३१, लाला लाला १० गुरुद्वारा

मुद्रिला देवी देवी गुरुद्वारा

गुरुद्वारा

गवाह-२ रामारामा देवी

१० गुरुद्वारा १० गुरुद्वारा (४)

दाक्षला-

दाक्षला

दाक्षला गुरुद्वारा

दाक्षला देवी गुरुद्वारा

दाक्षला देवी

दाक्षला देवी

दाक्षला देवी

दाक्षला देवी

S. T.

92238

प्राप्ति को दिया गया

कुप्रभावी है

दर्शन करने के

लिए उपयोग किया जाएगा।

92236

प्राप्ति को दिया गया

कुप्रभावी है

दर्शन करने के

लिए उपयोग किया जाएगा।

प्राप्ति 1718/1  
कालीन समिति की मार्फत।

24/1/20

संख्या 24

विवरण नहीं

प्राप्ति 22.2.2000

22.2.2000

2 - 1500

2021

प्राप्ति

2021

प्राप्ति 1 फिल 2016 के द्वारा 01/05 के प्राप्ति 292/2000 के

प्राप्ति 07/12/2015 के प्राप्ति 25 फिल 2015 के

प्राप्ति

प्राप्ति अप्राप्ति  
प्राप्ति अप्राप्ति

प्राप्ति 25-3-09